प्रेस विज्ञप्ति

जबलपुर। आज दिनाँक 26.10.2019 को कान्हा टाईगर रिजर्व के अंतर्गत मुक्की परिक्षेत्र के घोरिल्ला बीट में एक मादा बाघ शावक जिसकी उम्र लगभग 05–06 माह को रेस्क्यू कर शावक को शल्यक्रिया हेतु नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ में दिनाँक 30.10.2019 को लाया गया। उक्त शावक के जीवन रक्षा हेतु त्वरित निर्णय पर अमल करते हुए क्षतिग्रस्त भाग को निकालने का निर्णय लिया गया। दिनाँक 31.10.2019 को शावक के क्षतिग्रस्त पिछले बाँये पैर को शल्यक्रिया कर पृथक किया गया एवं शावक को अनुश्रवण हेतु स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर में रखा गया है।

आज दिनाँक 02.11.2019 को सुबह 11.00 बजे वेटनरी कॉलेज, जबलपुर के सर्जरी विभाग के विशेषज्ञ तथा स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर के वन्यजीव स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने मादा शावक का निरीक्षण किया। निरीक्षण पश्चात् शावक को पूर्णतः स्वस्थ अवस्था में होने की पुष्टि की और यह परामर्श दिया कि इसे जल्द से जल्द ऐसी जगह पर रखा जावे जहाँ यह सुरक्षित और इसके चलने फिरने को पर्याप्त जगह हो, ताकि इसकी नित्य प्रतिदिन की क्रियाएँ सुचारू रूप से हो सकें। इसी संबंध में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) डॉ. जे. एस. चौहान के दिशा निर्देशानुसार शावक को मुकुन्दपुर, सतना स्थित महाराजा मार्तण्ड सिंह, जूदेव व्हाइट टाईगर सफारी एण्ड जू में

स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया। जहाँ पर इस मादा शावक को टाईगर सफारी में रखा जायेगा और वन्यजीव स्वास्थ्य एवं फॉरेंसिक केंद्र के विशेषज्ञों एवं टाईगर सफारी में पदस्थ चिकित्सक संयुक्त रूप इसके स्वास्थ्य का परीक्षण करते रहेंगे। स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर की संचालक डॉ. मधु स्वामी के निर्देशन में तथा वेटनरी कॉलेज के सर्जरी विभाग के चिकित्सकों का अथक प्रयास सफल रहा। और नन्हें मासूम शावक की जान बचाने में सफलता हासिल की। इस दौरान संस्कारधानी के जनमानस पत्रकार बंधुओं, डिजिटल मीडिया एवं नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय आदि का सहयोग सराहनीय रहा। नन्हें शावक के जान बचाने की मुहिम में वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. संदीप अग्रवाल कान्हा टाईगर रिजर्व, मण्डला, डॉ. अपरा साही, डॉ. बबीता दास, डॉ. रणधीर चौहान सर्जरी विभाग, डॉ. सोमेश सिंह, डॉ. काजल जादव, डॉ. के.पी. सिंह, डॉ. अमोल रोकड़े, डॉ. निधि राजपूत, रिसर्च स्कॉलर डॉ. रंजीत हरने, डॉ. माधवी धैर्यकर, डॉ. हर्ष विन्दर सिंह एवं डॉ. प्रवेश स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर की टीम का अतुलनीय सहयोग प्राप्त हुआ।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर (म.प्र.)